खेला . किसी न्यापित , वस्तु , याव , आव , आये के नाम की खेला कहते हैं। जैसे न नमन , दिल्ली , पुस्तक , मेम आदे व्यंका के निम्नालाखेत तीन भेद हीते हैं. १. ट्यक्तिवाचक क्षंत्रा => वे क्षाव्य , जी किसी
विकोष प्राणी , वस्तु अथवा
व्यान का वोद्य कराते हैं , उन्हें ट्याक्तिवाचक
क्षंत्रा कहते हैं , जिस्में =>
-> क्रिंगा कहते हैं , जिस्में =>
-> क्रिंगा करते हैं , जिस्में =>
-> क्रिंगा लागा क्रिंगा का स्वर्ग है ,
-> क्रिंगा लागा क्रिंगा का स्वर्ग है ,
-> क्रिंगा लागा क्रिंगा की पार्वित्र पुरुतक है , जातिवाचक संजा =) वे संज्ञा साव्य जी किसी विशेष प्राणी, वस्तु अथवा क्यान का बोह्य न करवाकर उपने क्ये जुड़ी पूरी जाति का बोह्य कराते हैं उन्हें जातिवाचक स्मृजा करते हैं , जैसे न -> 'कुलत' भीक रहे हैं। -> 'कुलत' भीक रहे हैं।

	Date
030	भाववाचक संभा => वे संग्रा शब्द, जो किसी भाव, गुण अवस्था आदि का बोह्य कराते हैं, उन्हें भाववाचक अंग्रा
1 ->	का बाह्य करात है, उन्हें भाववाचक व्यवा कहते हैं। जिसे को यत भीठा ? बोलती है। हमें बचपन ? की बहुत याद खाती है। वह दुश्य बहुत ब्युदर ? है।
	वह दृश्य बहुत च्युवर १ है।
*	निम्मितिर्वत व्यंज्ञा व्यव्दीं के प्रकार बताइए:-
	मिन्न, प्रती, गीता, गोवा, लिखावट, कथा,
9.	ट्यवितवाचक व्यक्ता :- गीता , गोवा , कुत्ता ,
2.	आतवाचक थंना :- क्या , पक्षी , कुन्ता आववाचक थंना :- वचपन , मिरास , लिखावट , जिन्नानी
43.	भाववान्त्रक संभी हुन बन्धन , रिमेशिय , रिनेशिय ,

		AND AND AND ASSESSMENT OF THE PARTY OF THE P	
		trais	
		Page	
		भिम्मालिकित व्यावयों की भावतानक व्यानामि	
	*	TATALONZON COLON ON MINORITOR CHOICE	
		वमाइए :-	
		गुरु देव नारी कारी कारी कवित्व	
14	9.	वेव वेवत्व	
1	2.	4d dard	
10 1		नारी नारीत	
814	3.		
	8-	कावित्व	
A Pr		शिख्य और्वाव	
	A.	releg trace	
	Es.	व्यक्तिम व्यक्तिमता	
7	8	मानव मानवता	
1	(90	0 0 0	
		कु भारी की भार्थ	
	2.	201174	
	(g. -E. 90.	मानव कुमारी देशालु पशु	
	- Code	42/1	
19-		210	
	99.	व्यवस्व	
	-	पश्चा पश्चापन	
1-	98-	सहं अहंकार	
	9.8-		
		विश्व	
	98-		
AIT			
4-		The same of the sa	
9			
7	49.01		
2			
2-1			
W.	THE PERSON NAMED IN		
			111
The second second			10000